

राज्यपाल ने खोले के हनुमानजी रोप-वे का कथिा लोकार्पण

चर्चा में क्यों?

- 28 सतिंबर, 2023 को राजस्थान के राज्यपाल कलराज मशिर ने जयपुर स्थति खोले के हनुमान जी मंदरि में रोप-वे का लोकार्पण कथिा ।

प्रमुख बदि

- यह रोप-वे खोले के हनुमान जी मंदरि स्थति अननपूरणा माता मंदरि से वैष्णो देवी माता मंदरि तक के लथि बना है । इसके बनने से यहाँ धार्मकि पर्यटन को गतभिलिगी ।
- वदिति है कि खोले के हनुमान जी का यह स्थल तपोभूमि है । संत नरिमल दास जी महाराज ने इस स्थल पर तपस्या की थी और पंडति राधेश्याम चौबे द्वारा यहाँ मंदरि नरिमाण कार्य कथि गए थे ।
- 1961 में पंडति राधेलाल चौबे ने मंदरि के वकिस के लथि नरवर आश्रम सेवा समलिकि स्थापना की ।
- मंदरि के इतहिस के बारे में :
 - 60 के दशक में शहर की पूरवी पहाड़यिों की खोह में बहते बरसाती नाले और पहाड़ों के बीच नरिजन स्थान में जंगली जानवरों के डर से शहरवासी यहाँ का रुख भी नहीं कर पाते थे, तब एक साहसी ब्राह्मण ने इस नरिजन स्थान का रुख कथिा और यहाँ पहाड़ पर लेटे हुए हनुमानजी की वशिाल मूरति खोज निकाली ।
 - इस नरिजन जंगल में भगवान को देख ब्राह्मण ने यहीं पर मारुती नंदन शरी हनुमान जी की सेवा-पूजा करनी शुरू कर दी और पराणांत होने तक उन्हींने वह जगह नहीं छोड़ी ।
 - जब यह स्थान नरिजन था, तब पहाड़ों की खोह से यहाँ बरसात का पानी खोले के रूप में बहता था, इसीलथि मंदरि का नाम खोले के हनुमानजी पड़ा ।





श्री राम
श्री खोले के हनुमान जी व अंतरात्मा को विभूषित
प्राच्यतम पंडित श्री रामलाल जोषी जी
के आशीर्वाद से श्री खोले के हनुमान जी, जयपुर में
श्री राम जी के कलाकारों ने

अतिथि:- श्री कलराज मिश्र, माननीय राजस्थान, राजस्थान सरकार
के कर कमलों से
दिनांक :- 28 सितम्बर 2023, मुल्तान, राय 4.00 बजे
-: महाभाग्य अतिथि :- श्री रघुवीर खान
श्री रामचरण चौहरा विधानसभा एए अख्यक्ष
संसद राजस्थान
जयपुर शहर राज्य अल्पसंख्यक
आयोग, जयपुर

श्री महेश जोशी
माननीय मंत्री, जन
स्वास्थ्य
परिवारिक विभाग,
राजस्थान सरकार
श्री गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ
-: निवेदक :- श्री. एम. शर्मा
महामंत्री

गिरधारी लाल शर्मा
अध्यक्ष
व
समस्त कार्यकारणी, संसद व अकलमण
श्री न र व र आराम सेवा समिति
श्री खोले के हनुमान जी प्रन्दास, जयपुर

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/governor-inaugurated-hanumanji-ropeway>

